सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 329 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 10 जनवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

कठिन समय में भी अपने लक्ष्य को मत छोड़िए और विपत्ति को अवसर में बदलिए।
-धीरूभाई अंबानी

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित हुए... 7 | यूपी से ही निकलेगा दिल्ली की सत्ता... 3 | मायावती बड़ी नेता, हमें उनका सम्मान... 2

देश को बांटने का काम कर रही भाजपा-आरएसएस : दिग्विजय

» बोले- हमारा नारा 'धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो' है

» कांग्रेस मंदिर निर्माण धर्माचार्यों को सौंपना चाहती थी, राजनीतिक लोगों को नहीं

» सनातन धर्म को संकुचित करने का हो रहा प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर राजनीतिक बयानबाजी का दौर जारी है। अब मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर लिखा कि सनातन धर्म के हर आयोजनों में हमारा नारा होता है धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो। उन्होंने कहा कि हमारा कोई भी धार्मिक आयोजन बिना 'शांति पाठ' के नहीं होता। फिर देश में अशांति क्यों फैलायी जा रही है।

अपनी पोस्ट में बीजेपी, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद को घेरते हुए दिग्विजय सिंह ने लिखा कि इतने व्यापक सोच के हमारे सनातन धर्म को आप संकुचित कर रहे हैं। भारत हमारा वह देश है जिसमें हर जाति धर्म संप्रदाय वर्ग को समान अधिकार हैं और हर व्यक्ति का सम्मान है। उसे मत बांटो। यह देश सभी का है। हम सब एक हैं। धरती पर सभी का ईश्वर एक है और सभी धर्मों का संदेश एक है- इंसानियत, उसका ही पालन करो, शांति से ही भारत का विकास होगा।

आरएसएस देश के सभी धर्म स्थानों पर कब्जा करना चाहती है

वहीं अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के चारों शंकराचार्य के प्राण प्रतिष्ठा में शामिल नहीं होने वाले बयान को लेकर दिग्विजय सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने इसीलिए चारों शंकराचार्य के साथ रामानन्द सम्प्रदाय के स्वामी रामनरेशाचार्य महाराज को सदस्य बना कर रामालय न्यास का गठन किया था और सबसे वरिष्ठ द्वारिका व ज्योतिषापीठ के शंकराचार्य स्व स्वामी स्वरूपानंद महाराज को उसका अध्यक्ष बनाया था। कांग्रेस मंदिर निर्माण धर्माचार्यों को सौंपना चाहती थी ना कि राजनैतिक लोगों को। मैं पहले भी कहना चाहता था। आरएसएस पूरे देश में सभी धर्म स्थानों पर क़ब्जा करना चाहती है और सदियों पुरानी परंपराओं को समाप्त कर रही हैं। यह लोग समाज में 'फूट डालो राज करो की राजनीति अपना रहे हैं।'

धर्म समाज को जोड़ते हैं राजनीति समाज को बांटती है

दिग्विजय ने आगे लिखा कि पहले हिंदुओं मुसलमानों में फूट डाली, फिर राम नाम को भाजपा व गैर भाजपा में बांट दिया। अब शंकराचार्य व रामानन्द सम्प्रदाय को बांट रहे हैं। चंपत राय संघ के प्रचारक हैं और उन्होंने राम भक्तों के चंदे से जमीन खरीदी में घपला कर भ्रष्टाचार किया। अब राम मंदिर के संचालन कर राम भक्तों की श्रद्धा से चढ़ाई हुई भेंट पर बीजेपी, आरएसएस का प्रचार करेंगे। सभी धर्म समाज को जोड़ते हैं राजनीति समाज को बांटती है। धर्म श्रद्धालुओं से मेरी प्रार्थना है धर्म से राजनीति अलग करो सर्व धर्म सम भाव का पालन करो।

महाराष्ट्र की सियासत में आई फैसले की घड़ी

» विधायकों की अयोग्यता मामले में आज फैसला सुनाएंगे विधानसभा अध्यक्ष

» सीएम शिंदे और उनके गुट के विधायकों के भविष्य पर लटकी तलवार

» दोनों गुटों में जारी है बयानबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आज का दिन महाराष्ट्र की सियासत के लिए काफी अहम रहने वाला है। क्योंकि महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके गुट के विधायकों के खिलाफ अयोग्यता मामले में फैसला सुनाएंगे। इस तरह से शिंदे और उनके विधायकों के भविष्य पर भी अब तलवार लटक रही है।

फैसले से पहले दोनों गुटों की ओर से एक-दूसरे पर बयानवाजी का दौर जारी है और अपने-अपने दावे किए जा रहे हैं।

हमारे पास है बहुमत : शिंदे

महाराष्ट्र के सीएम शिंदे ने कहा कि मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि हमारे पास बहुमत है। विधानसभा में 50 सदस्य यानी 67 प्रतिशत और लोकसभा में 13 सांसद यानी 75 प्रतिशत है। इसी आधार पर, चुनाव आयोग ने हमें मूल शिवसेना के रूप में मान्यता दी है और धनुष-बाण चुनाव चिन्ह आवंटित किया है। हमें उम्मीद है कि स्पीकर हमें योग्यता के आधार पर पारित करेंगे।

केंद्र के बाद अब योगी सरकार ने भी मदरसों के शिक्षकों के मानदेय पर लगाई रोक

» अखिलेश सरकार में बढ़ाया गया था मानदेय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मदरसे के शिक्षकों को एक बड़ा झटका लगा है। केंद्र की मोदी सरकार के बाद अब प्रदेश की योगी सरकार ने भी अखिलेश सरकार द्वारा बढ़ाया गया मदरसा शिक्षकों का मानदेय बंद कर दिया है। अब मदरसा शिक्षकों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा कोई मानदेय नहीं दिया जाएगा। इस फैसले के बाद करीब 25,000 मदरसा शिक्षकों का मानदेय खत्म हो गया है।

जानकारी के मुताबिक, 1993-94 से चल रही मदरसा आधुनिकरण योजना जोकि केंद्र सरकार की योजना है। इसके तहत मदरसे में हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान को पढ़ने के लिए शिक्षक रखे गए थे। साल 2008 में इस स्कीम फॉर प्रोविजनिंग क्वालिटी एजुकेशन इन मदरसा के नाम पर चलाए जाने लगा। इस स्कीम के तहत 25,000 शिक्षक रखे गए थे जिसमें ग्रेजुएट शिक्षकों को 6000 और मास्टर्स कर चुके शिक्षकों को 12000 प्रति माह मानदेय दिया जाता था। साल 2016 में समाजवादी पार्टी की सरकार ने इसमें 2000 और 3000 प्रतिमाह मानदेय अपनी ओर से देने का निर्णय लिया था। इसके बाद से स्नातक मदरसा टीचरों को 8000 और परास्नातक शिक्षकों को 15000 मानदेय दिया जा रहा था।

क्यों बंद हुआ मानदेय?

दरअसल, इस योजना को केंद्र सरकार में 2021-22 तक ही स्वीकृति मिली थी जिसमें केंद्र सरकार के द्वारा पहले से ही मानदेय नहीं मिल रहा था। इसके बावजूद बजट में अतिरिक्त मानदेय जो दिया जाता था उसकी व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है। अब इस मानदेय में कोई भी वित्तीय स्वीकृति जारी नहीं की गई है। इसी वजह से सभी जिलों को आदेश भेजते हुए मानदेय देने पर रोक लगा दी है। वहीं अल्पसंख्यक कल्याण के जॉइंट सेक्रेटरी हरि बक्श सिंह के मुताबिक मानदेय की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है, जो अतिरिक्त दिया जा रहा था और कोई भी इस मानदेय में बजट या वित्तीय स्वीकृति नहीं दी जा रही है। इसका आदेश सभी जिलों को भिजवा दिया गया है।

मायावती बड़ी नेता, हमें उनका सम्मान करना चाहिए : अखिलेश

» सपा प्रमुख की नेताओं को नसीहत, बोले- भाजपा के धर्म संबंधित किसी मुद्दे में न फंसें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनावों में अब अधिक समय बाकी नहीं रह गया है। इसलिए अब सभी दल अपनी-अपनी रणनीतियों को तैयार करने में जुट गए हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी भी लोकसभा चुनावों की तैयारियों में लग गई है। इस बीच पार्टी की ओर से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि सपा अपने कई विधायकों को लोकसभा चुनाव में उतारेगी। यह संकेत खुद पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी पार्टी मुख्यालय पर हुई विधायकों की बैठक में दिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उतनी ही सीटें दी जाएंगी, जितने पर उसके पास जीतने वाले प्रत्याशी होंगे। इसके अलावा अपने नेताओं को अखिलेश ने बेरोजगारी और महंगाई सरीखे आमजन के मुद्दों पर ही केंद्रित रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भाजपा के धर्म से संबंधित किसी मुद्दे में न फंसें। विधायकों से प्रत्याशियों के बारे में बंद लिफाफे में सुझाव भी लिए गए। अखिलेश ने विधायकों के साथ 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे नेताओं को बुलाया था। इस समय इंडिया गठबंधन में सबसे ज्यादा पेंच फंसा है मायावती को गठबंधन में शामिल करने को लेकर। क्योंकि कांग्रेस ये चाह रही है कि मायावती को इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनाया जाए। लेकिन सपा व अखिलेश यादव इसके लिए किसी भी कीमत पर तैयार नहीं आते हैं। मगर इस बैठक में अखिलेश यादव ने अपने नेताओं से कहा कि मायावती उम्र में हमसे बड़ी हैं। वे बड़ी नेता हैं और हम सबको उनका सम्मान करना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक बैठक में कई विधायकों ने स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयानों को लेकर शिकायत की। अखिलेश ने ऐसी बातें दोबारा न होने देने का आश्वासन दिया।

वीएचपी के निमंत्रण को किया अस्वीकार

विश्व हिंदू परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष आलोक कुमार के उन्हें निमंत्रण देने के बयान पर अखिलेश यादव ने कहा कि मैं उनको (आलोक कुमार) नहीं जानता हूं। निमंत्रण वह देते हैं, जो एक दूसरे को जानते हैं। मेरी कभी उनसे कोई मुलाकात नहीं हुई। जिसका परिचय एक-दूसरे का होता है, वही एक-दूसरे को व्यवहार देते हैं। दरअसल, विश्व हिंदू परिषद की ओर से आलोक कुमार सपा प्रमुख अखिलेश यादव को निमंत्रण देने गए थे।

भाजपा नहीं लाई मेट्रो जैसी कोई योजना

अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादियों ने मेट्रो हर शहर में दी। 2017 से अभी तक 8.4 करोड़ लोगों ने मेट्रो में सफर किया है। इतनी बड़ी उपलब्धि भाजपा की किसी योजना की नहीं होगी। अखिलेश ने कहा कि सरकार हमारे विधायकों की सुरक्षा नहीं कर पा रही है। पहले जिन्हें सुरक्षा मिली थी, उसे भी वापस ले ली गई। हमारी मांग है कि किसी भी पार्टी का नेता अगर उसे सुरक्षा की आवश्यकता है, तो उसे तत्काल सुरक्षा मिलनी चाहिए।

कांग्रेस ने कार्ति चिदंबरम को भेजा नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिंदबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम को उनकी ही पार्टी कांग्रेस ने नोटिस भेज दिया है। दरअसल, कार्ति चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकप्रियता को लेकर तुलना की थी।

जानकारी के मुताबिक, तमिलनाडु कांग्रेस अनुशासनात्मक समिति के अध्यक्ष केआर रामासामी ने कार्ति चिदंबरम को कारण बताओ नोटिस भेजा है। दरअसल, कार्ति चिदंबरम ने हाल ही में एक चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा था कि पीएम मोदी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से ज्यादा लोकप्रिय हैं। उन्होंने इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम का समर्थन भी किया था। कांग्रेस सांसद ने कहा था कि उन्हें ईवीएम पर पूरा भरोसा है। उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें पता है कि पार्टी के कई लोग उनसे अलग राय रखते हैं। उन्होंने कहा कि ईवीएम में मेरा पूरा भरोसा है। मुझे ईवीएम की क्षमता के बारे में कोई संदेह नहीं है। मुझे पता है कि मेरी पार्टी के कुछ लोग मुझसे बिल्कुल अलग राय रख सकते हैं। पर मैं 1996 से या तो एक उम्मीदवार के रूप में या अन्य उम्मीदवारों के लिए एक एजेंट के रूप में चुनाव में शामिल रहा हूं। ईवीएम में मेरा विश्वास अब भी नहीं बदला है। वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या राहुल गांधी का मुकाबला होगा, तो कार्ति ने कहा कि यह मुश्किल है। कार्ति ने कहा कि प्रचार तंत्र की बराबरी करना और प्रधानमंत्री के रूप में अपने स्वाभाविक लाभ पर विचार करना कठिन है।

हम सभी चाहते हैं मायावती हमारे साथ आएं : अजय राय

» बोले- धर्म के स्थान को राजनीतिक मुद्दा बना रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए पूरा विपक्ष एकजुट होकर इंडिया गठबंधन के बैनर तले आया है। लेकिन अभी तक सीट बंटवारे को लेकर कोई रास्ता नहीं निकल पाया है। इस बीच कांग्रेस का पूरा प्रयास है कि इंडिया गठबंधन में बसपा को भी शामिल किया जाए। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार के खिलाफ सभी को एकजुट होना चाहिए। हम सभी चाहते हैं कि मायावती हमारे साथ आएं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गोरखपुर के विनोद उपाध्याय का एनकाउंटर जानबूझकर कराया गया है। इसके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। इसी तरह आईआईटी बीएचयू में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर यूपी के सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। पांच राज्यों में चुनाव थे, इसलिए भाजपा ने मुद्दे को दबाकर रखा था। सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों की पहचान चार दिन में ही हो गई थी। पूर्व सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि आरोपियों को बचाने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए।

15 जनवरी को सरयू में डुबकी लगाएंगे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

प्रदेश अध्यक्ष राय ने कहा कि 15 जनवरी को अयोध्या जाएंगे। सरयू में डुबकी लगाकर भगवान राम के दर्शन करेंगे। धर्म के स्थान को भाजपा राजनीतिक मुद्दा बना रही है। अक्षत, रोली और निमंत्रण पत्र देकर भ्रमित करने का प्रयास कर रही है।

दिल्ली में हुआ सिर्फ व्यक्तिगत विकास : पात्रा

» आरटीआई के खुलासे के बाद बीजेपी के निशाने पर आए केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर किए गए कार्यों की लागत की मांग करने वाली एक आरटीआई की प्रति साझा करते हुए आप संयोजक पर दिल्ली के विकास की कीमत पर व्यक्तिगत विकास करने का आरोप लगाया। पात्रा ने आरटीआई की कॉपी एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा यह सबूत है कि केजरीवाल दिल्ली के विकास की कीमत पर अपना व्यक्तिगत विकास चाहते हैं।

दिल्ली सरकार से प्राप्त आरटीआई जवाब से पता चलता है कि मुख्यमंत्री के आवास पर केवल सिविल कार्यों पर 29,56,35,074/- रुपये खर्च किए गए थे। यह जानकारी महाराष्ट्र निवासी अजय बासुदेव बोस ने मांगी थी। अपने आवेदन में बोस ने केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर सिविल, प्लंबिंग, इलेक्ट्रिकल, सीवेज, बढ़ईगीरी कार्यों पर खर्च की गई राशि की जानकारी मांगी थी। आरटीआई में कहा गया है कि 2015 से 2022 की अवधि के दौरान किया गया कुल व्यय केवल सिविल कार्यों के लिए 295635074/- रुपये है। उन्होंने 31 मार्च 2015 से 27 दिसंबर 2022 तक काम के लिए नियुक्त ठेकेदारों के नाम और उन्हें भुगतान की गई राशि के बारे में भी पूछा। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, केजरीवाल के शीशमहल में करोड़ों के पर्दे, लाखों की टॉयलेट सीट और अश्लील खर्च है। यहां तक कि केवल सिविल कार्यों पर भी केजरीवाल ने लगभग 30 करोड़ खर्च किए।

कांग्रेस के साथ ही मिलकर लड़ेंगे : गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने पंजाब समेत पांच राज्यों में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ने पर अपना रुख बरकरार रखा है और अब तक चर्चा सकारात्मक रही है। आप नेता ने कहा कि आप और कांग्रेस इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं और उन्होंने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे पर सोमवार को चर्चा की। दोनों पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग की बातचीत शुरू हो गई है। खास बात है कि दिल्ली और पंजाब में आदमी पार्टी की सरकार है। दोनों राज्यों में कांग्रेस इकाई आप के साथ किसी भी तरह के समझौते के विरोध में हैं। पंजाब में कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन में चुनाव लड़ने को लेकर खुलेआम बयानबाजी हो रही है। राय ने कहा कि हम गठबंधन में चुनाव लड़ना चाहते हैं। अगली बैठक में सीटों को लेकर बातचीत होगी। जब हम गठबंधन में हैं तो हमें आधिकारिक रुख अपनाना होगा।

सीट शेयरिंग पर जल्द से जल्द बात होनी चाहिए: चौधरी

» बोले- जदयू बिना वजह कुछ नहीं बोलती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर लगातार बैठकों का दौर जारी है। कई घटक दलों ने सीटों को लेकर अपनी मंशा भी साफ कर दी है। जदयू तो बीते कुछ दिनों से खुलकर बोल रही है कि वह 16 सीटों से कम पर समझौता नहीं करेंगे। पहले केसी त्यागी ने कहा कि वह समझौते के लिए तैयार नहीं हैं और अब मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि हमारे 16 सांसद वर्तमान में हैं और यह कोई अचानक नहीं हुआ है।

मंत्री विजय चौधरी ने पटना में बात इशारों-इशारों में साफ कर दी कि जदयू 16 सीट छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जनता दल यूनाइटेड) बिना वजह कुछ नहीं बोलती है। ना ही कुछ भी अचानक सोचा गया है। सबकुछ पहले ही तय है। मंत्री विजय चौधरी ने एक बार फिर दोहराया कि सीट शेयरिंग पर जल्द से जल्द बात होनी चाहिए। विजय चौधरी कहा कि जदयू का गठबंधन आरजेडी के साथ है। वहीं, आरजेडी का कांग्रेस और वाम दलों के साथ गठबंधन है।

यूपी से ही निकलेगा दिल्ली की सत्ता का रास्ता!

- सभी सियासी दलों ने राज्य पर गड़ाई निगाह
- सपा, कांग्रेस व रालोद ने बनाई जीत की रणनीति
- भाजपा राम के सहारे लोस सीटों को जीतने की जुगत में
- बसपा का अकेले ही चुनावी वैतरणी पार करने का इरादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली की सत्ता का रास्ता यूपी के सियासी गलियारे को पार करके जाता है ये राजनीति की पुरानी कहावत है। राज्य व केंद्र की सत्ता में बैठी भाजपा इसी को ध्यान में रखकर 2024 चुनाव की रणनीति बनाने में जुट गई है। उसने जहां रामंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को भव्य तरीके से मना कर आम जनता को अपने पक्ष में करने की पूरी व्यवस्था की है। जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया में सीटों को लेकर बात नही बन पा रही है। वहीं कांग्रेस दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र व यूपी में सीट शेयरिंग पर चर्चा में जुट गई है।

उधर यूपी के दो प्रमुख दल बसपा व सपा में रार थम नहीं रही है। ऐसे में इन दोनों का एक साथ आकर इंडिया गठबंधन को मजबूती देने का कोई दृश्य बनता नहीं दिख रहा है। उधर बीजेपी ने यूपी में कांग्रेस के 400 सीटों के जीतने के रिकॉर्ड को तोड़ने का मंसूबा भी पाल लिया है। कांग्रेस भी न्याय यात्रा के सहारे यूपी के कई लोकसभा सीटों पर कब्जे की तैयार में लग गई है। हालांकि बीजेपी उसकी इस यात्रा को किसी काम का नहीं है बता रही है।

यूपी में कांग्रेस का रिकॉर्ड तोड़ना बीजेपी के लिए आसान नहीं

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 400 से ज्यादा सीटें हासिल करने का लक्ष्य बनाया है। बीजेपी हाईकमान ने कार्यकर्ताओं और राज्य इकाइयों को यह संदेश पहुंचा दिया है कि 400 से ज्यादा लोकसभा सीटों के लिए मेहनत की जाए। पार्टी ने इसके लिए राज्यवार रणनीतियां बनाना भी शुरू कर दिया है। बीजेपी की रणनीतियों के केंद्र में हिन्दी पट्टी का सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश भी है। पार्टी की कोशिश है कि वह इस बार 70 से सांसद जीत कर संसद पहुंचे। बीजेपी ने अभी तक यह बात कही तो नहीं है लेकिन अप्रत्यक्ष तौर पर यह नजर आ रहा है कि पार्टी तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस रिकॉर्ड को ब्रेक करना चाहती है जब साल 1984 के चुनाव में कांग्रेस को 404 लोकसभा सीटें मिली थीं। 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 404 सीटों में उत्तर प्रदेश का अहम योगदान रहा है। बीजेपी को अगर साल 2024 के लोकसभा चुनाव में राजीव गांधी का रिकॉर्ड तोड़ना है तो उसे यूपी से बड़ी संख्या में सीटें जीतक आना होगा। 1984 में संयुक्त उत्तर प्रदेश में कुल 85 लोकसभा सीटें थीं। हालांकि साल 2000 में उत्तराखंड अलग होने के बाद राज्य में फिलहाल 80 सीटें बचीं। साल 1984 की कुल 85 सीटों में से 67 सामान्य और 18 सीटें एससी के लिए रिजर्व थीं। उस चुनाव में महिला और पुरुष को मिलाकर कर कुल 6 करोड़ 23 लाख 35 हजार 43 नागरिकों ने मतदान किया था। यानी कुल 55.81 प्रतिशत फीसदी मतदान हुआ था। इस चुनाव में दो सीटें लोकदल और 83 सीटें कांग्रेस ने जीती थीं। तब कांग्रेस को कुल मतदान का 51.03 फीसदी वोट मिला था। कांग्रेस को उस वक्त देश भर में 49.10 फीसदी वोट मिले और 82.28 प्रतिशत सीटों पर उसने जीत दर्ज की थी। 1984 के चुनाव में कांग्रेस ने 491 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। वहीं 0.41 फीसदी सीटों पर उसकी जमानत भी जब्त हो गई थी।

2014 में बीजेपी को यूपी में मिले थे 42.63 फीसदी वोट

वहीं साल 2014 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो तब पहली बार पूर्ण बहुमत पाने वाली भारतीय जनता पार्टी को यूपी में 80 में से 71 सीटें मिलीं थीं। उस वक्त बीजेपी का वोट प्रतिशत राज्य में 42.63 फीसदी था। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के यूपी ग्राफ में गिरावट आई और पार्टी को 62 सीटें ही मिलीं। इस चुनाव में बीजेपी को 49.56 फीसदी वोट मिले। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या साल 1984 के चुनाव में राजीव गांधी की अगुवाई में कांग्रेस ने यूपी में समूचे विपक्ष को सिर्फ 2 सीटों पर सिमटा दिया था। क्या मिशन 80 का लक्ष्य लेकर चल रही बीजेपी, राज्य में विपक्ष का सूपड़ा साफ कर पाएगी।

सपा में दिग्गजों को मिलेगा मौका

लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने अपनी तैयारिया तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में पार्टी की मैराथन बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश के बाद मुख्यालय पहुंचे सपा के सभी जिलाधायक्षों और महानगर अध्यक्षों ने लिखित में अपने सुझाव सौंपे। सूत्रों की मानें तो बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि समाजवादी पार्टी को ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल हों इसके लिये क्या रणनीति बनाई जाए? इसके अलावा सपा की पहली लिस्ट के प्रत्याशियों के साथ-साथ वीआईपी सीटों के उम्मीदवारों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों की मानें तो सपा प्रमुख आज जिलाध्यक्षों-महानगर अध्यक्षों के जो सुझाव होंगे उसको लेकर कल अपने विधायकों और विधानसभा चुनाव में कैंडिडट रहे नेताओं से चर्चा करेंगे। इसके बाद अखिलेश यादव 11 तारीख को विधानसभा प्रभारियों की बैठक में विस्तार से चर्चा करेंगे। माना जा रहा है कि इसके बाद अपनी पहली लिस्ट रामगोपाल यादव और शिवपाल यादव से चर्चा के बाद मकर संक्रांति को जारी कर देंगे। बलिया में बीते दिनों उन्होंने सूर्य उत्तरायण होने के बाद सूची की बात कही थी। समाजवादी पार्टी की पहली लिस्ट में 18-20 नाम हो सकते हैं। अखिलेश यादव कांग्रेस हाईकमान तक ये संदेश पहुंचा चुके हैं और बलिया में बोल भी चुके हैं कि अगर सपा से गठबंधन के प्रत्याशियों को लेकर न्याय यात्रा से पहले बातचीत की तभी वो राहुल गांधी की इस यात्रा में शामिल होंगे अन्यथा नहीं। इसके अलावा एक और खास बात ये है कि अखिलेश यादव दो सीटों से चुनाव लड़ सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि सपा चीफ कन्नौज के साथ-साथ आजमगढ़ से भी चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। वहीं अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल यादव ने चुनाव से दूर रहने के संकेत दिए हैं, सूत्रों के मुताबिक, शिवपाल यादव चाहते हैं कि आजमगढ़ से उनके बेटे आदित्य यादव चुनाव लड़ें।

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर भाजपा का हमला

कांग्रेस की भारत न्याय यात्रा पर भाजपा का हमला जारी है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी को हमारे देश में गंभीरता से नहीं लिया जाता। वह यात्रा में तरह-तरह की टिप्पणियां करेंगे जिससे सबका मनोरंजन होगा और साथ ही कांग्रेस पार्टी का उपहास भी उड़ेगा। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जिस तरह से वे तीन राज्यों में हार गए हैं, जिस तरह से ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल को उन पर भरोसा नहीं है और मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रस्तावित कर रहे हैं, और जिस तरह से कांग्रेस धीरे-धीरे खुद को इंडिया गठबंधन से खोती जा रही है और यह निश्चित रूप से राहुल गांधी को फिर से लॉन्च करने और उनकी ब्रांडिंग करने और कांग्रेस पार्टी को फिर से स्थापित करने की यात्रा है। भाजपा नेता ने दावा किया कि केसी त्यागी का कहना है कि भारत न्याय यात्रा निकाली जानी चाहिए थी, मेरी राय में, इंडिया गठबंधन में मतभेदों

को देखते हुए भारत जोड़ो यात्रा समय की मांग है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि ये आपसी गठबंधन नहीं, स्वार्थों का गठबंधन है,पश्चिम बंगाल, बिहार, दिल्ली, यूपी, पंजाब की सीटें जोड़ लीजिए फिर देखिए कांग्रेस को कितनी सीटें मिलती हैं। ये इंडिया गठबंधन ही साजिश कर रहा है कांग्रेस ख़त्म करो। इससे पहले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि लोग उनकी न्याय यात्रा के बारे में क्यों बात कर रहे हैं। इसका हमारे लिए कोई मतलब नहीं है। हम जो कार्यक्रम कर रहे हैं, विकसित भारत संकल्प यात्रा, वह लोगों के लिए है। उन्होंने कहा किस अगर वह अपने आनंद के लिए यात्रा करेंगे, तो कैसे करेंगे इससे लोगों को फायदा होता है? उनकी यात्रा उनके मनोरंजन के लिए है, इससे किसी को फायदा नहीं होने वाला है। वह विवादास्पद बयान देते रहते हैं। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी कोई लाभकारी काम नहीं किया है। वह परिपक्व नहीं हैं। वह अभी भी बच्चे हैं। उनकी उम्र हो गई है लेकिन उनके विचार अब भी बच्चों जैसे हैं,हम उन्हें गंभीरता से नहीं लेते हैं। कांग्रेस और वामपंथी उन्हें बढ़ावा देते हैं, लेकिन यह देश के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। पीएम मोदी द्वारा शुरू की गई योजनाएं देश के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मायावती व अखिलेश की खटास से कांग्रेस असहज

वहीं उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी को एक मंच पर लाने की कांग्रेस की कोशिशों को तगड़ा झटका लगा है। बीएसपी प्रमुख मायावती ने यूपी के चर्चित गेस्ट हाउस कांड के बहाने अखिलेश यादव और सपा को आड़े हाथों लिया है। सोशल मीडिया एक्स पर मायावती ने सपा से खुद को और पार्टी के लोगों पर खतरा बताया है। मायावती के इस बयान के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर उठापटक शुरू हो गई है। मायावती ने लिखा है, सपा अति पिछड़ों के साथ साथ जबर्दस्त दलित विरोधी पार्टी भी है. हालांकि, बीएसपी ने पिछले लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन करके इनके दलित विरोधी चाल, चरित्र और चेहरे को थोड़ा बदलने का प्रयास किया. लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद ही सपा पुनः अपने दलित विरोधी जातिवादी एजेंडे पर आ गई। अब सपा मुखिया जिससे भी गठबंधन की बात करते हैं उनकी पहली शर्त बसपा से दूरी बनाए रखने की होती है, जिसे मीडिया भी खूब प्रचारित करता है। इधर, अखिलेश यादव भी मायावती और बीजेपी पर पलटवार करने से नहीं चूके अखिलेश ने कहा- बाबा के बास बुलडोजर है, चाहे तो पुल गिरवा दें, अखिलेश ने कहा कि ये पुल जाम से बचने के लिए बहुत जरूरी हैं, जिसे रेलवे और सेना से एनओसी मिलने के बाद बनाया गया था। उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी मिली थी कि कुछ लोग पुल नहीं बनने देने की साजिश में लगे हैं और उनकी कोशिश है कि रक्षा मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र ना मिले। सरकार ने उस वक्त के लेफ्टिनेंट जनरल और सेना के लोगों के सामने अपना पक्ष रखा, तो वे सहमत हुए और उन्होंने पुल बनाने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र दे दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि उस पुल के उद्घाटन में सरकार के लोगों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एनडी तिवारी भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि वह कभी-कभी रात में पुल के निर्माण कार्य की प्रगति को देखने जाते थे और बसपा आखिर किस-किस को दोष देगी। इस बीच, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्सपर अपनी प्रतिक्रिया में कहा सपा प्रमुख सुश्री मायावती जी का अपनी सुरक्षा को लेकर सपा पर शंका करना साबित करता है कि अब भी उसका चरित्र नहीं बदला है । केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, गेस्ट हाउस कांड में सपा के गुंडों ने बहन मायावती जी की हत्या करने की नापाक कोशिश की थी, बहन मायावती और जनता की सुरक्षा को लेकर सरकार हमेशा सतर्क रही है। इसके कुछ घंटों पहले मौर्य ने एक्स पर एक अलग संदेश में कहा, सपा बहादुर श्री अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश में सत्ता से बाहर रखना अगर अन्याय है, तो भाजपा यह अन्याय बार-बार करेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मां के नाम को कलंकित कर दिया निर्दयी ने!

एक मां ने अपने पुत्र की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी क्योंकि वो अपने पति से तलाक ले चुकी थी और नहीं चाहती थी कि उसके बेटे से उसका पिता मिल जाए। समाजिक संस्थाओं व मनोवैज्ञानिकों को समाज में आ रहे इस विकृति का अध्ययन करके इसे निराकरण पर चर्चा करना अब आवश्यक हो गया है।

बेंगलुरू से एक दिलदहलाने वाली घटना सुनने में आई है। इसमें एक मां ने अपने ही मासूम बच्चें को मार डाला। इस हृदय विदारक खबर को सुनकर सभी लोग स्तब्ध रह गए। इंसानियत व मां के नाम को कलंक करने वाली यह घटना समाज में बढ़ रही असहनशीलता को दर्शा रही है। क्योकि इस मां ने अपने पुत्र की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी क्योंकि वो अपने पति से अलग रह रही थी और नहीं चाहती थी कि उसके बेटे से उसका पिता मिल जाए। समाजिक संस्थाओं व मनोवैज्ञानिकों को समाज में आ रहे इस विकृति का अध्ययन करके इसे निराकरण पर चर्चा करना अब आवश्यक हो गया है। दरअसल, बेंगलुरु में एक एक स्टार्ट-अप कंपनी की सीईओ को उसके चार साल के बच्चे की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अपने ही बच्चे की हत्या का मामला काफी हैरान करने वाला है। एआई स्टार्टअप की सीईओ सूचना सेठ को गोवा सर्विस अपार्टमेंट में उसके चार साल के बेटे की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, वह अपने पति के साथ अलगावपूर्ण संबंध का हवाला देते हुए एक बैग में बच्चे के शव को लेकर कैब से भागने की कोशिश कर रही थी, इस दौरान उसको पकड़ लिया गया। सूचना सेठ ने शनिवार को उत्तरी गोवा के कैंडोलिम में एक लग्जरी अपार्टमेंट में चेक इन किया और सोमवार सुबह चेक आउट किया। सूचना सेठ द माइंडफुल एआई लैब की संस्थापक है, वह चार साल से ज्यादा समय से उस ऑर्गनाइजेशन का नेतृत्व कर रही है, जो आर्टिफिशियल इंजेलिजेंस के क्षेत्र में तरक्की पर केंद्रित है। सूचना सेठ ने दो साल तक बर्कमैन क्लेन सेंटर में एक सहयोगी के तौर पर काम कर चुकी है। उसने बोस्टन, मैसाचुसेट्स में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रिस्पॉन्सिबल मशीन लर्निंग एथिक्स और गवर्नेंस में योगदान दे चुकी है। द माइंडफुल एआई लैब की स्थापना से पहले, सूचना सेठ बेंगलुरु में बूमरैंग कॉमर्स में एक सीनियर डेटा साइनटिस्ट थी। वहां पर वह ऑप्टिमाइजेशन और इंजेलिजेंस के लिए डेटा-संचालित उत्पादों को डिज़ाइन करती थी। इस दौरान सूचना सेठ ने दो पेटेंट दाखिल किए। सूचना ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से खगोल भौतिकी के साथ प्लाज्मा भौतिकी में विशेषज्ञता के साथ भौतिकी में मास्टर डिग्री ली। साल 2008 में सूचना ने फर्स्ट क्लास ऑनर्स हासिल किया था। जिस तरह के एजूकेशन प्रोफाइल से सूचना सेठ आती है उसके इस कृत्य ने यह जता दिया कि वह पढ़ी लिखी थी पर मशीनी चीजों पर खोज करते -करते वह खुद मशीन हो गई थी। तभी तो उसने ऐसा सेवेंदनहीन काम किया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बांग्लादेश में लोकतंत्र का प्रहसन

पुष्परंजन

चुनाव क्या था, बस एक औपचारिकता भर थी। शेख़ हसीना पांचवीं बार सत्ता में आ चुकी हैं। 7 जनवरी को मतदान का मुआयना करने विभिन्न देशों के जो 122 पर्यवेक्षक गये, उनकी भूमिका लगता है बस मूक दर्शक की रही है। सत्तारूढ़ अवामी लीग के खिलाफ उन्हीं के 63 निर्दलीय सभासद जातीय संसद में प्रतिपक्ष की भूमिका में रहेंगे, या सरकार में सहयोग करेंगे, यह शेख़ हसीना को तय करना है। 11 सांसदों वाली जातीय पार्टी तीसरे नंबर पर है। तीन अन्य लोग नक्कारखाने में तूती की आवाज की तरह चुनकर संसद में आये हैं। लोकतंत्र के लिए इससे बढ़िया प्रहसन और क्या हो सकता है?

300 सीटों वाली जातीय संसद के लिए 298 चुनावी क्षेत्रों में मतदान हुए, जिसमें सत्तारूढ़ अवामी लीग को 223 सीटें आई हैं। नवगांव-दो निर्दलीय उम्मीदवार अमीनुल हक की मौत के बाद अंतिम चरण में मतदान स्थगित हो गया। बीएनपी चेयरपर्सन के कार्यालय गुलशन में स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य अब्दुल मोइन ख़ान ने कहा कि 'गवर्नमेंट ऑफ द डमी, बाई द डमी, फॉर द डमी' को तुरंत गद्दी छोड़ देनी चाहिए। बीएनपी के तेवर और देशव्यापी माहौल को देखकर शेख़ हसीना ने विजयोत्सव न मनाने का आदेश कार्यकर्ताओं को दिया है। अब 10 जनवरी को बंग बंधु शेख़ मुजीबुर्रहमान की वतन वापसी पर जो समारोह मनाया जाता है, उसे ही विजयोत्सव समझकर पार्टी कार्यकर्ता अपनी पीठ ठोकेंगे।

अवामी लीग के उम्मीदवारों ने जिस तरह अपमानजनक हार का सामना किया, वह कुछ समय बाद सर्वोच्च नेता शेख़ हसीना भूल जाएंगी। सत्तारूढ़ दल के कई दिग्गजों को पछाड़ते हुए निर्दलीय उम्मीदवारों ने 63 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की है, हारने वालों में कई मंत्री हैं। पराजित अवामी लीग के उम्मीदवारों में प्रचार सचिव अब्दुस शोभन गोलाप, तीन बार के सांसद धीरेंद्र देबनाथ शंभू, प्रेसीडियम सदस्य काजी जफर उल्लाह, केंद्रीय सांस्कृतिक मामलों के सचिव असीम कुमार उकिल और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री महबूब अली शामिल हैं। इस बार, अवामी लीग ने अपने नेताओं को प्रतिशोध के डर के बिना स्वतंत्र उम्मीदवारों के रूप में चुनाव लड़ने की अनुमति दी। विद्रोहियों ने इस अवसर का लाभ उठाया और

उनमें से कई विजयी हुए। अब यही तथाकथित प्रतिपक्ष में दिखेंगे, और जातीय संसद में शेख हसीना के प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। बांग्लादेश में ऐसा पहले हो चुका है। प्रसिद्ध बांग्लादेशी अधिकार कार्यकर्ता और फोटोग्राफर शाहिदुल आलम ने बताया कि यह एक विचित्र किस्म के चुनाव का विचित्र परिणाम है। 'डमी चुनाव में डमी उम्मीदवार, अब एक डमी संसद का नेतृत्व करेंगे।' इस चुनाव में जातीय पार्टी को केवल 11 सीटें मिली हैं, जो बीएनपी के बाद प्रमुख प्रतिपक्षी चेहरा है। पूर्व चुनाव आयुक्त सखावत हुसैन ने कहा, 'यह विश्वास करना कठिन है कि मतदान 40 प्रतिशत था।' सखावत हुसैन ने उस ख़ास समय को रेखांकित किया, जब मुख्य चुनाव आयुक्त ने मीडिया को जानकारी देते समय पहले खुद 28 प्रतिशत टोटल वोटिंग कहा, और फिर अचानक इसे बदलकर 40 प्रतिशत कर दिया। मतदान का आंकड़ा चुनाव आयोग मुख्यालय में डैशबोर्ड पर दिखाया गया था, जो 28 प्रतिशत था। इसकी एक तस्वीर देश के सोशल मीडिया में व्यापक रूप से प्रसारित की गई, जिसके हवाले से चुनाव आयोग की हंसी उड़ाई गई।

2018 के चुनाव को विश्लेषक याद करते हैं, जिसे 'रात के समय का चुनाव' कहा गया था, तब 80 प्रतिशत से अधिक वोट पड़े। फरवरी 1996 के विवादास्पद चुनावों में मतदान 26.5 प्रतिशत था, जो बांग्लादेश के इतिहास में सबसे कम था। अब यह दूसरा चुनाव है, जहां वास्तविक रूप से 28 प्रतिशत मत पड़े, जिस पर 40 फीसद का ठप्पा लगाया गया है। प्रतिष्ठित चुनाव पर्यवेक्षक संगठन 'ब्रोटी' के प्रमुख शर्मिन मुर्शिद ने बताया कि एक घंटे के अंतराल में 28 से 40 तक की छलांग हास्यास्पद थी और इसने चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा को बुरी तरह खराब कर दिया। मगर, बीएनपी नेताओं ने उस 28 प्रतिशत को भी बहुत अधिक बताया, और कहा कि देश भर में अधिकांश मतदान केंद्र दिन भर खाली रहे। बच्चे सड़क पर क्रिकेट खेल रहे थे, ऐसी तस्वीरें भी साझा की गईं। बीएनपी के एक वरिष्ठ नेता अब्दुल मोईन खान ने कहा, 'मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म पर साझा की गई अधिकांश तस्वीरों और फुटेज में, आपको पुलिस और कुछ अवामी लीग कार्यकर्ताओं की धूप सेंकते हुए तस्वीरें मिलेंगी।'

अब सवाल यह है कि शेख हसीना अपना पांचवां टर्म क्या शांतिपूर्वक चला पाएंगी? शेख हसीना का पहला टर्म 1996 से 2001 तक रहा है। फिर 2008, 2014, 2018 तीन टर्म लगातार, यानी टोटल 20 साल 23 दिन सत्ता में रहीं शेख हसीना, और अब उनका पांचवां टर्म 2024 में। शेख हसीना पर अमेरिकी दूतावास का जबरदस्त दबाव रहा है। उसकी परोक्ष वजह चीन है, जिसकी परियोजनाएं बांग्लादेश में काफी कुछ चल रही हैं। अमेरिका ने चेतावनी दी कि वह उन लोगों को वीजा देने से इनकार कर देगा जिन्होंने बांग्लादेश में लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है। हसीना ने सभी दबावों से बचने के लिए नई दिल्ली से मदद की अपील की।

तीर्थ स्थलों के विकास से समृद्धि की राह

प्रमोद भार्गव

पांच सौ साल पहले जब अयोध्या में विदेशी आक्रांता राम मंदिर ध्वस्त कर रहे थे, तब तुलसी और सूरदास राम एवं कृष्ण की लीलाओं को ब्रज, अवधी और भोजपुरी भाषाओं में रच रहे थे। जिससे हमलावरों के हमलों से आहत जनमानस जागरूक हो और अपनी सनातन सांस्कृतिक अस्मिता तथा देश की संप्रभुता के लिए बलिदानी भाव-बोध से जूझ जाए। निहत्था भक्त इसी थाती के बूते इस्लाम की तलवार और फिरंगियों की तोपों से पूरे पांच सौ साल युद्धरत दिखाई देता रहा। इसी युद्धरत आम भारतीय ने हमें 15 अगस्त 1947 को आजादी दिलाई। तत्पश्चात भी वामपंथी वैचारिकी कुछ इस तरह गढ़ी जाती रही कि हम अपनी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विरासत पर प्रश्न उठाने लग गए? यूपीए सरकार ने राम और रामसेतु के अस्तित्व को ही झुठलाने का काम कर दिया। अलबत्ता 2014 से नरेंद्र मोदी की सरकार के आरंभ से बदलाव की कुछ ऐसी हवा चली कि अयोध्या में भगवान राम के जन्म-स्थल पर तो रामलला के विग्रह की स्थापना 22 जनवरी को हो ही रही है, इस्लामिक देश संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबूधाबी में राम मंदिर जैसा ही भव्य मंदिर बनकर तैयार है। आगामी 14 फरवरी को इस मंदिर के पट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खोलेंगे।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते वर्ष 2.39 करोड़, यानी प्रतिदिन करीब 70 हजार तीर्थयात्री अयोध्या नगरी पहुंचे। यात्रियों की यह आमद 2022 की तुलना में सौ गुना अधिक रही। अनुमान है कि भगवान राम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या देश का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल हो जाएगा। यहां प्रतिवर्ष दस करोड़ पर्यटकों के आने की उम्मीद जताई जा रही है। एक पर्यटक औसतन 2700 रुपए खर्च करता है, अर्थात अयोध्या ही नहीं समूचे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को इस पर्यटन से बल मिलेगा। इसी तर्ज पर सोमनाथ, वाराणसी, उज्जैन और केदारनाथ के मंदिरों में गलियारों का विस्तार हो गया है। इन तीर्थों के आधुनिक एवं सुविधाजनक हो जाने से पर्यटन का आकार बढ़ गया है। विश्वस्तरीय होटल, सड़क, हवाई और रेल सुविधाएं हो जाने से यात्रियों की संख्या उम्मीद से कहीं ज्यादा बड़ी है। भारत में फिलहाल पर्यटन से जुड़ी जीडीपी का योगदान 5 से 6 प्रतिशत है, इसमें धार्मिक पर्यटन का हिस्सा अब तक आधा रहता है, जो अब निरंतर उछाल मार रहा है।

उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन में बढ़ोतरी से प्रेरित होकर अन्य राज्य सरकारें भी धार्मिक स्थलों के संरचनात्मक विकास और ठहरने व आवागमन की सुविधाओं को बढ़ावा देने में लग गई हैं। असम के गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर का 500 करोड़ रुपए की लागत से विकास हो रहा है। राजस्थान में गोविंद देव मंदिर, पुष्कर तीर्थ और बेनेश्वर धाम का विकास सौ-सौ करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। बिहार सरकार भारतमाला धार्मिक संपर्क योजना के अंतर्गत उच्चैठ भगवती मंदिर से महिषी तारास्थल को जोड़ने के लिए मधुबनी के उमगांव से सहरसा तक के मार्ग को विस्तृत कर रही है।

महाराष्ट्र सरकार कोल्हापुर में 250 करोड़ की लागत से महालक्ष्मी मंदिर गलियारा बना रही है। इसी प्रकार प्रसिद्ध तीर्थस्थल नासिक से त्रयंबकेश्वर मंदिर तक चौड़ा रास्ता बनाया जा रहा है। तेलंगाना में 1300 करोड़ की लागत से यदादि मंदिर का निर्माण किया गया है। भगवान नृसिंह के इस मंदिर के गर्भगृह में 125 किलो सोना लगा है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में 314 करोड़ रुपए से एक सौ एकड़ में लेटे हनुमान मंदिर-लोक और सलकनपुर श्रीदेवी महालोक बनाया जा रहा है। सागर में रविदास मंदिर धाम, दतिया में पीतंबरा माईलोक, ओरछा में रामराजा लोक, चित्रकूट में रामपथगमन लोक, ग्वालियर में शनिलोक और बगवानी में नाग-लोक बनाए जाना प्रस्तावित हैं। मथुरा में मथुरा-वृंदावन गलियारा और यमुना नदी फ्रंट का विकास 250 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। हजारों साल पहले समुद्र में डूब चुकी भगवान कृष्ण की द्वारका के दर्शन पनडुब्बी से कराए जाने की तैयारी हो रही है। गुजरात सरकार श्रीमद्भागवत कथा और महाभारत में उल्लेखित द्वारका दर्शन के लिए अरब सागर में यात्री पनडुब्बी चलाने का अनूठा कार्य करेगी। एमओयू के तहत इस पनडुब्बी का संचालन मझगांव डॉक करेगा। इस यात्रा का आरंभ इसी साल श्रीकृष्ण जन्माष्टमी या दीपावली तक हो सकती है। इस रोमांचक इतिहास और पुरातत्व के अवशेषों से जुड़ी रोमांचक यात्रा में प्राचीन द्वारका तक पहुंचने में दो-तीन घंटे लगेंगे। यात्रा का किराया अधिक होगा, लेकिन आम आदमी के लिए सरकार छूट देगी।

35 टन वजनी यह पनडुब्बी वातानुकूलित होगी। दो कतारों में 24 यात्रियों को बैठने की सुविधा होगी। इस पनडुब्बी में प्राकृतिक उजाले का प्रबंध होगा। संचार और वीडियो वार्तालाप की सुविधाएं होंगी। पनडुब्बी में बैठे हुए स्क्रीन पर भीतर की हलचल और जीव-जंतुओं को देख व रिकॉर्ड कर सकेंगे। इस देव भूमि गलियारे के तहत बेट द्वारका समुद्री टापू को दुनिया के मानचित्र पर लाने की दृष्टि से सरकार सिग्नेचर पुल का निर्माण कर रही है। कुल 900 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन यह पुल 2320 मीटर लंबा होगा। यह चार कतारों का केबल ब्रिज है। इस परियोजना में 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल नागेश्वर मंदिर के अलावा हनुमान और उनके पुत्र मकरध्वज मंदिर का विकास भी हो रहा है। अयोध्या में भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही देश का धार्मिक पर्यटन एक लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था से ऊपर जाने की उम्मीद अर्थशास्त्री जता रहे हैं। यह पर्यटन व्यापार 10 से 15 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रहा है।

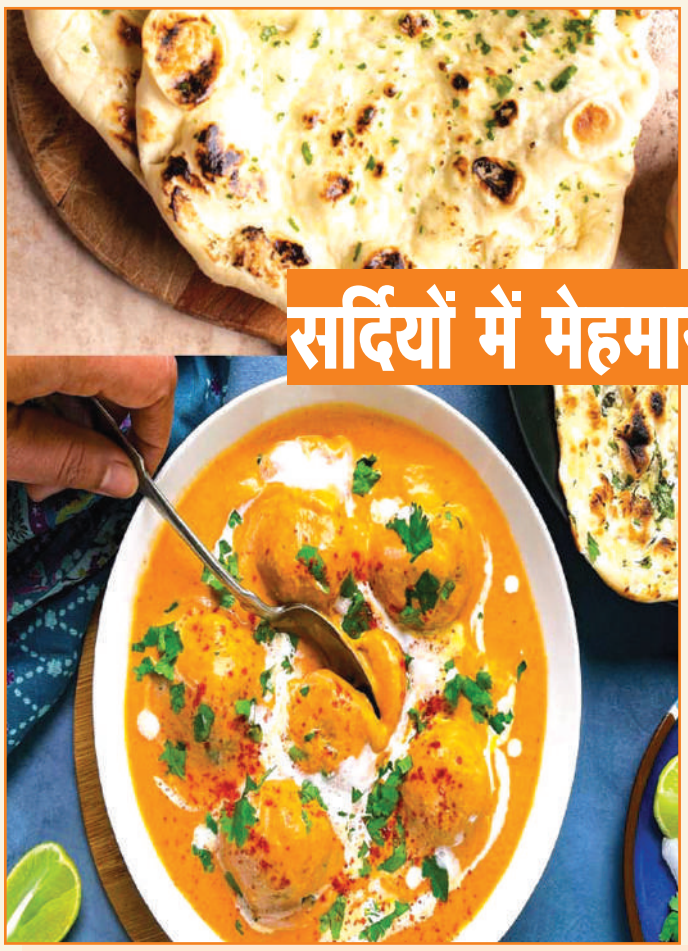

कोफ्ते की सामग्री

250 ग्राम पनीर, 2 आलू, 2 चम्मच चने का आटा, 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच धनिया पाउडर, नमक स्वादानुसार, तेल (डीप फ्राय करने के लिए)।

सर्दियों में मेहमानों के लिए बनाएं पनीर कोफ्ता और बटर नान

शा यद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे खाना पसंद नहीं होगा। जिस तरह से लोगों को खाने का शौक होता है, ठीक उसी तरह से बहुत से लोगों को खाना बनाने का काफी शौक होता है। अब जब साल अपने आखिरी पड़ाव पर है, तो साल के आखिरी दिन आप अपने परिवार के लिए कुछ खास बना सकती हैं। दरअसल, हम आपको ये सलाह इसलिए दे रहे हैं, क्योंकि साल के आखिरी दिन का समय ज्यादातर लोग अपने परिवार के साथ ही समय व्यतीत करते हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जिन्हें अपने परिवार के लिए खाना बनाना पसंद है तो ये लेख आपके लिए है। आज के इस लेख में हम आपको एक ऐसी डिश के बारे में बताएंगे, जिसे आप 31 दिसंबर की रात अपने परिवार के लिए डिनर में बना सकते हैं। हम बात कर रहे हैं पनीर कोफ्ता और बटर नान की। ये डिश बच्चों से लेकर बड़ों तक को पसंद होती है।

विधि

अगर आप कोफ्ते बनाना चाह रही हैं तो सबसे पहले एक बड़े कटोरे में पनीर, उबले हुए आलू, चने का आटा, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, और नमक मिलाएं। अब सभी सामग्री अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण से छोटे-छोटे गोले बनाएं। एक कढ़ाई में तेल गरम करें। तेल अच्छे से गरम होने पर उसमें कोफ्ते डालें और मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तलें। तले हुए कोफ्ते को पेपर टावल पर रखें ताकि अधिक तेल निकल जाए।

ऐसे तैयार करें ग्रेवी

इसकी ग्रेवी तैयार करने के लिए सबसे पहले एक पैन में तेल गरम करें। जब तेल गरम हो जाए, उसमें हींग, जीरा, प्याज, अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और सुनहरा होने तक मसाला तैयार करें। अब इसमें टमाटर प्यूरी, नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला पाउडर डालें और अच्छे से मिलाएं। मसालों के पक जाने के बाद इसमें एक थोड़ा सा ज्यादा कप पानी डालें और अच्छे से मिलाएं। अब इसे ढककर मध्यम आंच पर 5-7 मिनट तक पकाएं ताकि ग्रेवी थोड़ा गाढ़ा हो जाए। तले हुए कोफ्ते को गरम ग्रेवी में मिलाएं। अब पांच मिनट इसे ग्रेवी से साथ पकाने के बाद इसमें ऊपर से धनिया पत्ती डालें और गैस बंद कर दें।

ऐसे बनाएं नान

2 कप मैदा, 1/2 कप दही, 1 चम्मच चीनी, 1/2 चम्मच बेकिंग पाउडर, 1/4 चम्मच बेकिंग सोडा, नमक स्वादानुसार, पानी जरूरत के अनुसार, 2 चम्मच मक्खन।

विधि

नान बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बाउल में मैदा, दही, चीनी, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, और थोड़ा सा नमक डालें। अब इसे अच्छे से मिलाएं ताकि सभी सामग्री अच्छे से मिल जाए। धीरे-धीरे पानी डालते हुए आटा गूंथें। आटा तैयार होने पर इसे ढककर 2 घंटे के लिए रख दें ताकि वह आराम से फूल सके। अब आटे की लोई बनाकर बारीक बेल लें। इसके बाद गर्म तवे पर नान रखें और उसकी एक ओर पकाएं। जब वह पकने लगे तो तवे से उतार कर गैस पर साधारण रोटी की तरह सेकें। नान को दोनों तरफ से सुनहरा और गोल्डन-ब्राउन होने तक पकाएं। अब गर्म नान पर बटर लगाकर इसे पनीर कोफ्ते के साथ परोसें।

नाश्ते में बनाएं प्रोटीन से भरपूर राजमा-आलू टिक्की

अगर आप नाश्ते के लिए कुछ हेल्दी टेस्टी और झटपट से बनने वाली रेसिपी ढूंढ़ रहे हैं तो राजमा और आलू से बनने वाली टिक्की है इसका शानदार ऑप्शन। जिसमें आप बचे हुए राजमा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। ईवनिंग स्नैक्स में आप इस टिक्की को शामिल करें। राजमा खाने से तो टेस्टी होता ही है साथ ही प्रोटीन से भी भरपूर। अगर हेल्थ के बारे में सोचा जाए, तो टिक्की बनाने का जो तरीका होता है, वो बिल्कुल भी हेल्दी नहीं होता। डीप फ्राई आइटम स्वाद खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ मोटापा, कोलेस्ट्रॉल भी। ऐसे में राजमा-आलू टिक्की को आप डीप फ्राई करने की जगह एयर फ्राई भी कर सकते हैं।

सामग्री

राजमा (उबला हुआ)- 2 कटोरी, आलू (उबले हुए)- 4, अदरक (कद्दूकस किया हुआ), लहसुन (कद्दूकस किया हुआ), धनिया की पत्तियां, नींबू का रस, ऑलिव ऑयल या घी, नमक (स्वादानुसार), हरी मिर्च (बारीक कटे), काली मिर्च (दरदरी पिसी हुई), जीरा पाउडर।

विधि

सबसे पहले एक बड़े से बाउल में उबला हुआ राजमा या बचा हुआ राजमा लें। इसके बाद इसमें उबले हुए आलू डालकर दोनों चीज़ों को अच्छी तरह से मसल लें। अब इसमें कद्दूकस किया अदरक और बारीक कटा लहसुन और साथ ही धनिया की पत्तियां, हरी मिर्च, जीरा पाउडर, काली मिर्च, स्वादानुसार नमक और दो चम्मच नींबू का रस डालें और इसे अच्छी तरह मिला लें। तैयार किये गए इस मिक्सचर कि छोटी-छोटी लोई बनाएं और इसे टिक्की की आकार देने के लिए हाथ से हल्का प्रेश करके चपटा कर दें। दूसरी ओर नॉन स्टिक पैन को मध्यम आंच पर गरम होने के लिए रख दें और पैन को ऑलिव ऑयल या घी से चिकना कर लें। अब पैन में तैयार किए गए टिक्की को रखें और दोनों तरफ से लाल होने तक अच्छी तरह पकाएं। आपकी हेल्दी एंड टेस्टी टिक्की बनकर तैयार है। इसे निकाल लें और अपनी मनपसंदीदा चटनी के साथ सर्व करें।

हंसना मना है

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे स्टेशन-मास्टर से शिकायत की-चालीस मिनट हो गए हैं, गाड़ी आज तक नहीं पहुंची। स्टेशन-मास्टर ने कहा-'घबराइए नहीं, ये टिकट चौबीस घंटे तक चल सकता है।

लेखक-'आपने मेरा नया उपन्यास पढ़ा? उसकी हर ओर चर्चा है। आलोचक-'इतनी फुर्सत किसे है? मैं तो इतना व्यस्त हूं कि जिन पुस्तकों की बुराई लिखता हूं, उन्हें भी नहीं पढ़ पाता।

नरेश-घर में शासन कैसे चलाएं' नामक पुस्तक से तुम्हें कुछ फायदा हुआ? महेन्द्र-'नहीं। नरेश-'क्यों? महेन्द्र-'पत्नी ने मुझें पुस्तक पढ़ने को कभी नहीं दी।

एक लेखक महोदय कोई सभा में भाषण दे रहे थे-'अजीब इतफाक है कि जिस दिन प्रेमचंद जी का निधन हुआ, उसी दिन मेरा जन्म हुआ। देखा जाए तो वह दिन हिन्दी साहित्य के लिए बड़े दुर्भाग्य का दिन था' एक श्रोता ने अधूरा वाक्य पूरा किया।

कहानी

शेर और बिल्ली

सालों पहले नील नामक जंगल में एक बड़ी होशियार बिल्ली रहती थी। हर कोई उससे ज्ञान प्राप्त करना चाहता था। जंगल के सारे जानवर उस बिल्ली को मौसी कहकर पुकारते थे। कुछ जानवर उस बिल्ली मौसी से पढ़ने के लिए भी जाते थे। एक दिन बिल्ली मौसी के पास एक शेर आया। उसने कहा, मुझे भी आपसे शिक्षा चाहिए। मैं आपका छात्र बनकर आपसे सबकुछ सीखना चाहता हूं, ताकि जीवन में आगे मुझे कोई दिक्कत ना हो। कुछ देर सोचने के बाद बिल्ली बोली, ठीक है, तुम कल से पढ़ने के लिए आ जाना। अगले दिन से रोजाना शेर बिल्ली मौसी के यहां पढ़ने के लिए आने लगा। एक महीने में शेर इतना समझदार हो गया कि बिल्ली ने उससे कहा, अब तुम मुझसे सब कुछ सीख चुके हो। तुम्हें कल से पढ़ाई के लिए आने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे द्वारा प्राप्त की गई शिक्षा की मदद से अपने जीवन को आसानी से जी सकते हो। शेर ने पूछा, आप सच कह रही हैं? मुझे अब सब कुछ आ गया है, क्या? बिल्ली ने जवाब दिया, हां, मैं जो कुछ भी जानती थी, मैंने सब कुछ तुम्हें सीखा दिया है। शेर ने दहाड़ते हुए कहा कि चलो फिर क्यों ना आज इस विद्या को तुम पर ही आजमा कर देख लिया जाए। इससे मुझे पता चल जाएगा कि मुझे कितना ज्ञान मिला है। डर के मारे सहमी हुई बिल्ली मौसी ने कहा कि बेवकूफ, मैं तुम्हारी गुरु हूं। मैंने तुम्हें शिक्षा दी है, तुम इस तरह मेरे ऊपर प्रहार नहीं कर सकते हो। शेर ने बिल्ली की एक न सुनी और उसपर झपट पड़ा। अपनी जान बचाने के लिए तेजी से बिल्ली दौड़ने लगी। दौड़ते-दौड़ते वह पेड़ पर चढ़ गई। बिल्ली को पेड़ पर चढ़ा हुआ देखकर शेर ने कहा कि तुमने मुझे पेड़ पर चढ़ना नहीं सिखाया। तुमने मुझे पूरा ज्ञान नहीं दिया। पेड़ पर चढ़ने के बाद राहत की सांस लेते हुए बिल्ली ने जवाब दिया, मुझे तुम पर पहले दिन से ही विश्वास नहीं था। मैं जानती थी कि तुम मुझसे सीखने के लिए तो आए हो, लेकिन मेरे ही जीवन के लिए आफत बन सकते हो। यही कारण है कि मैंने तुम्हें पेड़ पर चढ़ना नहीं सिखाया। अगर मैंने तुम्हें यह ज्ञान भी दिया होता, तो तुम आज मुझे मार डालते। गुस्से में बिल्ली आगे बोली, तुम आज के बाद मेरे सामने कभी मत आना। मेरी नजरों से दूर हो जाओ। ऐसा शिष्य जो अपने गुरु का सम्मान नहीं कर सकता, वो किसी काबिल नहीं। बिल्ली मौसी की बात सुनकर शेर को भी गुस्सा आया, लेकिन वो कुछ नहीं कर सकता था, क्योंकि बिल्ली पेड़ पर थी। गुस्से को मन में लेकर शेर वहां से दहाड़ते हुए चला गया।

7 अंतर खोजें

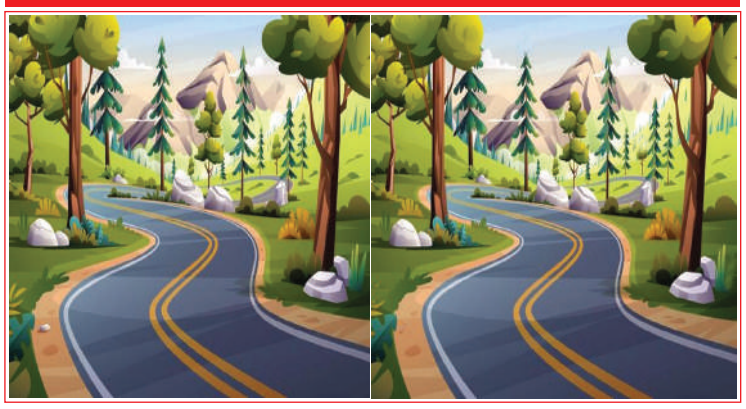

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

मिथुन

दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क

भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

सिंह

घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

तुला

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

धनु

नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

मकर

किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

वेलकम में नहीं मिली अक्षय के स्टाफ के बराबर भी मुश्ताक को फीस

मुश्ताक खान ने फिल्मी दुनिया में अच्छी पहचान बनाई है। उन्होंने फिल्मों में छोटी और सहायक भूमिकाएं ही अदा की हैं, मगर इतने शानदार तरीके से अदा की हैं कि वे दर्शकों के बीच चर्चित चेहरा बन चुके हैं। हाल ही में मुश्ताक खान सिनेमा की दुनिया में असमान वेतन के मसले पर बोलते नजर आए। इस दौरान उनकी बातचीत में एक दर्द छलक आया। एक्टर ने फिल्म वेलकम में अपनी कम फीस का जिक्र किया। मुश्ताक ने खुलासा किया कि वेलकम में उन्हें अक्षय कुमार के स्टाफ से भी कम मेहनताना मिला था। फिल्म वेलकम में मुश्ताक खान के किरदार का नाम बल्लू था। फिल्म में उनकी भूमिका बेशक छोटी थी, लेकिन बेहद मजेदार थी। बल्लू फिल्म में लोगों को अपनी टूटी टांग दिखाकर बताता था कि किस तरह उदय भाई (नाना पाटेकर) ने उसकी टांग तोड़ी और फिर उसे अस्पताल लेकर गए। इसी फिल्म में अपनी भूमिका के लिए मिली फीस को लेकर मुश्ताक खान ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक पॉडकास्ट में बात करते हुए मुश्ताक खान ने कहा कि उन्हें फिल्म वेलकम के लिए लीड एक्टर अक्षय कुमार के स्टाफ से भी कम पैसे मिले थे। एक्टर ने कहा, दुर्भाग्य से हमारी फिल्में स्टार्स पर बहुत ज्यादा खर्च करती हैं। मुश्ताक ने आगे कहा कि इस फिल्म में काम करने के लिए उन्होंने इकोनॉमी क्लास में सफर किया था और उन्हें दुबई में अक्षय के स्टाफ के साथ एक ही होटल में ठहराया गया था। एक्टर ने कहा कि बड़ी फिल्मों में ऐसा बहुत होता है। मुश्ताक ने आगे कहा, हालांकि, अब वक्त बदल रहा है। निर्देशक, स्टार्स के बीच फीस के फासले को खत्म करना चाह रहे हैं। मुश्ताक ने अपने वर्क फ्रंट पर बात करते हुए कहा कि वे स्त्री 2 फिल्म में काम कर रहे हैं। एक्टर ने कहा, मुझे बहुत प्यार मिलता है और वे लोग सबका खूब ख्याल रखते हैं। हम साथ में खूब मस्ती करते हैं। मैंने हाल ही में रेलवे मैन की थी और हमने काफी मस्ती की थी।

बिलकिस बानो पर एक फिल्म बनाना चाहती हैं कंगना रनौत

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी रिलीज को तैयार है। इस फिल्म में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार को निभाया है, जिन्हें आयरन लेडी भी कहा जाता है। खुद कंगना भी अपने निडर अंदाज और बेबाक बयानों के लिए मशहूर हैं। अपने सोशल मीडिया हैंडल से कंगना अक्सर अपनी बातों को अपने चाहने वालों के सामने रखती आई हैं, लेकिन पिछले दिनों उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल से कुछ ऐसे खुलासे किए हैं, जिन्हें जानकर हर कोई हैरान हैं। कंगना अक्सर अपने सोशल मीडिया हैंडल से अपने फॉलोवर्स के सवालों का जवाब देती रहती हैं। वे फॉलोवर्स की बातों का काफी ध्यान रखती हैं। अभी हाल में ही में एक्स सोशल मीडिया साइट पर एक यूजर ने कंगना से पूछा, डियर कंगना आप हमेशा महिला अधिकारों के बारे में बातें करती हैं। महिलाओं को उनका हक मिले इसके प्रति आपके जज्बे को सलाम है। मैं आपसे यह पूछना चाहता हूं, क्या आप बिलकिस बानो के ऊपर कोई फिल्म बनाना चाहेंगी? फेमनिज्म के लिए नहीं, एक औरत होने के नाते क्या आप उनकी कहानी को दुनिया के सामने लाना चाहेंगी? कंगना ने ट्वीट के जवाब में लिखा, मैं बिलकिस बानो पर फिल्म बनाना चाहती हूं और पिछले तीन साल से काफी रिसर्च भी किया है उस स्क्रिप्ट पर। कंगना बिलकिस बानो पर फिल्म बनाने को तैयार हैं, लेकिन कोई भी ओटीटी प्लेटफॉर्म उनके इस प्रोजेक्ट में उनके साथ काम नहीं करना चाहता है। अभिनेत्री ने कहा कि मैंने नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम के अलावा जियो सिनेमा को भी स्क्रिप्ट दिखाई थी। नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम ने यह कहते हुए मना किया कि उन्हें यह फिल्म राजनीति से प्रेरित लग रही है और उन्हें राजनीतिक मुद्दों पर फिल्में बनाने से मना किया गया है। वहीं जियो सिनेमा के बारे में कंगना ने लिखा है कि वह भाजपा का समर्थन करती हैं इसलिए उनके साथ जियो सिनेमा काम नहीं करेगा। कंगना रणौत पिछली बार तेजस फिल्म में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी, लेकिन कंगना के काम को काफी सराहा गया था। अब कंगना अपनी अगली रिलीज इमरजेंसी को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म में कंगना के अलावा महिमा चौधरी भी अहम भूमिका में दिखाई देंगी।

बोलीं- कोई ओटीटी साथ काम करने को तैयार नहीं

स्मोकिंग को छोड़ना चाहती हूं: कोंकणा

मनोज बाजपेयी के साथ वेब सीरीज किलर सूप में नजर आने वालीं कोंकणा सेन शर्मा इंडस्ट्री की दिग्गज एक्ट्रेस में शुमार हैं। मौजूदा समय में कोंकणा सेन किलर सूप के प्रमोशन में बिजी हैं, इस दौरान अदाकारा ने अपनी एक बुरी आदत को लेकर खुलासा किया है और इस छोड़ने के लिए कहा है। रणबीर कपूर की वेक अप सिड फिल्म एक्ट्रेस कोंकणा ने किस बुरी आदत का जिक्र किया है। इन दिनों कोंकणा सेन शर्मा और मनोज बाजपेयी का नाम वेब सीरीज किलर सूप को लेकर लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। सीरीज के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस अक्सर एक न एक नया खुलासा कर रही हैं। हाल ही में कोंकणा सेन शर्मा ने एक लेटेस्ट इंटरव्यू को दिया है। इस दौरान कोंकणा से उनकी एक बुरी आदत को लेकर सवाल पूछा गया है, जिस पर अदाकारा ने कहा है- मेरी एक बुरी आदत के बारे में बात की जाए तो वह सिगरेट पीना है। हालांकि मैं कोई ज्यादा मात्रा में स्मोकिंग नहीं करती हूं, लेकिन फिर भी मैं अपनी इस बुरी आदत को अब नहीं चाहती और इसे हर हाल में छोड़ना चाहती हूं। इसके अलावा कोंकणा सेन शर्मा ने उनकी लाइफ में से सबसे बुरे दौर को हटाने के बारे में पूछा गया, जिसको लेकर किलर सूप एक्ट्रेस ने बताया है कि वह अपनी लाइफ में उस समय को हटाना चाहती हैं, जब वह 3 महीने के लिए बेड रेस्ट पर थीं। ये दौर उनके जीवन के सबसे खराब दौर में से एक था। मनोज बाजपेयी और कोंकणा सेन शर्मा की आगामी वेब सीरीज किलर सूप के ट्रेलर को देखने के बाद से फैंस इस सीरीज का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। गौर करें इस वेब सीरीज की रिलीज डेट की तरफ तो 11 जनवरी को किलर सूप मशहूर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर ऑनलाइन रिलीज की जाएगी।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | पुलिसवाला है या जादूगर!

आंखों पर पट्टी बांधकर चलाता है बाइक, मोबाइल को लाइटर बनाकर जलाता है सिगरेट...

जादूगर तो अपनी कला का खूब प्रदर्शन करते हैं पर किसी पुलिसवालों को जादू दिखाते देखा है। पर यह पुलिस वाला कई जादू दिखाकर अपने सीनियर और सहयोगी का खूब मनोरंजन कर रहा है। साथ ही इस पुलिसवाले की जादूगरी लोगों के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है कि आखिर आंख में पट्टी बांधकर मोटरसाइकिल की सवारी कैसे करते हैं। बीएमपी 7 में हवलदार की ट्रेनिंग ले रहे रामेश्वर कुमार के दिखाए जादू से सभी हैरान हैं। यह मूल रूप से भोजपुर के रहने वाले हैं। हवलदार की ट्रेनिंग के लिए फिलहाल बीएमपी 7 में आए हुए हैं। जहां पुलिस के इस जवान को वरीय पदाधिकारी के आदेश के बाद एक से एक जादू पेश कर अपने साथियों का खूब मनोरंजन कर रहे हैं। परमेश्वर एक ब्लेड एक गिलास पानी के साथ निगल कर 100 ब्लेड मुंह से धागा के सहारे निकाल लेते हैं। मोबाइल को लाइटर के तरीके से इस्तेमाल करते हुए उससे सिगरेट जलाने का हो या फिर किसी के दोनों हाथ को ऐसे बांध दिया जाता है, जिसे कोई खोल नहीं पता है। सफेद कागज के टुकड़ों को 500 के नोट बना देना के अलावे, चॉकलेट, काजू चंद मिनटों में बना देना एक से बढ़कर एक जादू के प्रदर्शन करने वाले बिहार पुलिस की इस जवान के एक से बढ़ कर एक करतब देख कर उसके साथी पुलिस कर्मी और अधिकारी भी भौचक हैं। आरा के रामेश्वर कुमार हवलदार की ट्रेनिंग के लिए फिलहाल बीएमपी 7 में आए हुए हैं। जहां पुलिस के इस जवान को वरीय पदाधिकारी के आदेश के बाद एक से एक जादू पेश कर अपने साथियों का खूब मनोरंजन कर रहे हैं। रामेश्वर कुमार 17 साल से पुलिस की नौकरी में हैं। जादू कोलकाता में सिखा है। उनका मकसद साथियों का मनोरंजन है। जादू से अपराधियों की गिरफ्तारी की जा सकती है के सवाल पर हंस कर जवाब हैं। कहते हैं कि अपराधी को गिरफ्तार करने का तरीका अलग है। जिसकी ट्रेनिंग बिल्कुल अलग होती है। जादूगर रामेश्वर का कारनामा देखकर बीएमपी कमांडेंट दिलनवाज अहमद भी बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि अन्य पुलिस जवानों से इस बारे में जानकारी मिली थी। अब रामेश्वर कुमार सबके सामने अपने जादू की कला को प्रदर्शन करते हुए ट्रेनिंग ले रहें हैं। सभी पुलिसकर्मी और बीएमपी 7 से जुड़े सभी वरीय अधिकारी का खूब मनोरंजन किया है।

दुनिया का सबसे अकेला आदमी घर ऐसी जगह, जहां है भूतों का बसेरा

अकेलापन इंसान को खा जाता है, पर शायद अर्जेंटीना के एक व्यक्ति को अकेला रहना इतना पसंद है कि वो हर किसी से दूर, अपने परिवार से भी दूर ऐसे शहर में रहता है, जो 25 सालों तक बाढ़ में डूबा था और आज खंडहर में तब्दील हो चुका है। इस शहर को लोग भूतों का बसेरा भी मानने लगे हैं। इसी कारण से इस शख्स को 'दुनिया का सबसे अकेला आदमी' माना जाता है। हम बात कर रहे हैं पाबलो नोवाक की जो 93 साल के हैं और अकेलेपन के साथ जिंदगी बिता रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार पाबलो, एपेक्युएन नाम के सहर में रहते हैं। जो अर्जेंटीना के ब्यूनोस एरीज़ से 400 किलोमीटर दूर है। साल 1985 में यहां तूफान आया था जिसके बाद लहरों ने एक बांध को तोड़ दिया था और ये शहर पानी और दलदल से लंबे वक्त तक घिरा रहा। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये जगह एक वक्त पर महत्वपूर्ण टूरिस्ट स्पॉट हुआ करता था। यहां करीब 5000 लोग रहा करते थे। पर पानी की वजह से सब इस शहर को छोड़कर चले गए। साल 2009 में जब पानी का स्तर नीचे गया तो और मौसम में सुधार हुआ तो नजर आया कि इस जगह की क्या हालत हो चुकी है। चारों ओर खंडहर जैसे घर बचे थे और टूटे पेड़ और मलबे पड़े थे। तब पाबलो अपने मवेशियों के साथ यहां रहने के लिए लौट आए। उन्होंने एक खंडहर बन चुके मकान को अपना घर बना लिया जिसके बाहर बगीचा भी था। उनका नया घर छोट और धूल से भरा है, उनके पास कुर्सी, अखबार के बंडल हैं और वो बिना बिजली के रहते हैं। वो अकेले ही थे जो यहां लौटे थे, उनके परिवार ने भी उनका साथ नहीं दिया और पास के दूसरे कस्बे में रहने चले गए। अब वो यहां अपने मवेशी और पालतू कुत्ते के साथ रहते हैं। पाबलो ने कहा कि वो यहां जानवरों के साथ रहने आए थे, फिर कभी लौटकर नहीं गए। उन्होंने कहा कि उम्र के इस पड़ाव पर वो सिर्फ जीवन का आनंद उठाना चाहते हैं, इस वजह से वो यहां पर खुश रहते हैं। ये जगह काफी फेमस थी, तब साल में 20 हजार से ज्यादा टूरिस्ट यहां आते थे। माना जाता है कि यहां पर एक तालाब था, जिसमें स्किन से जुड़ी समस्याओं को हल करने की शक्तियां थीं।

राम मंदिर उद्घाटन के जरिए नौटंकी कर रही भाजपा : ममता

बोलीं- कोर्ट के निर्देश पर बन रहा मंदिर, जब तक जिंदा हूं, समाज में बंटवारा नहीं होने दूंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने भाजपा की मोदी सराकर पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले राम मंदिर के उद्घाटन के जरिए भाजपा नौटंकी कर रही है। जयनगर में कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा, मैं धार्मिक आधार पर जनता को बांटने में विश्वास नहीं करती। साफ तौर पर कहा कि जब तक जिंदा हूं, समाज में बंटवारा नहीं होने दूंगी। उन्होंने कहा कि मैं उन उत्सवों में विश्वास करती हूं जो सभी समुदायों के लोगों को साथ लेकर चलते हैं और एकता की बात करते हैं। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह होना है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य रूप से उपस्थित हो रहे हैं। हालांकि, इसको लेकर रेह्याजनीति भी जबरदस्त तरीके से हो रही है। इन सबके बीच पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर निशाना साधा है।

ममता ने साफ तौर पर कहा कि जब तक जिंदा हूं, समाज में बंटवारा नहीं होने दूंगी। उन्होंने कहा कि मैं उन उत्सवों में विश्वास करती हूं जो सभी समुदायों के लोगों को साथ लेकर चलते हैं और एकता की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा इसे (राम मंदिर उद्घाटन) अदालत के निर्देश के तहत कर रही है, लेकिन लोकसभा चुनाव से पहले इसे नौटंकी के तौर पर कर रही है।

उन्होंने दावा किया कि हम भाजपा के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेंगे। ममता ने साफ तौर पर कहा कि मैं लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने में विश्वास नहीं रखती। उन्होंने सीधे तौर पर पार्टी नेता शेख शाहजहां के मामले का जिक्र किए बिना कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि मैं माफिया का नेता हूं।

तृणमूल कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंके : घोष

मंत्री के आरोपों को खारिज करते हुए भाजपा सांसद दिलीप घोष ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों को बचाने के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को तुरंत सत्ता से उखाड़ फेंकना चाहिए। एक अन्य स्थानीय भाजपा नेता ने भी केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ टिप्पणी के लिए चट्टोपाध्याय की गिरफ्तारी की मांग की। वाम मोर्चा नेता सुजॉन चक्रवर्ती ने कहा कि चट्टोपाध्याय इस तरह के बयानों से राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

ईडी पर हमला जनाक्रोश का विस्फोट : शोभनदेब

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय के एक बयान से विवाद हो गया है। अपने बयान में शोभनदेब ने आरोप लगाया कि उत्तर 24 परगना में ईडी टीम पर हुए हमले की वजह जनाक्रोश का विस्फोट है। चट्टोपाध्याय के बयान से राज्य की सियासत गरमा गई है। भाजपा सांसद दिलीप घोष ने मंत्री के बयान से नाराजगी जताते हुए कहा कि बंगाल के लोगों को टीएमसी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकना चाहिए। पश्चिम बंगाल के कृषि मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि हमने राज्य में एक स्थान पर जनाक्रोश का विस्फोट देखा, भविष्य में भारत में अन्य स्थानों पर भी ऐसी घटनाएं होंगी। चट्टोपाध्याय ने यह भी दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने केंद्र में वर्तमान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले शासन में कई करोड़ रुपये के घोटालों का खुलासा किया है, लेकिन पार्टी सिर्फ गैर-भाजपा शासित राज्यों में ही जांच एजेंसियां भेजती है।

पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध रखें पीएम : खरगे

» मालदीव विवाद पर कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी को घेरा

» हर चीज को निजी तौर पर ले रहे हैं प्रधानमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत-मालदीव विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर चीज को व्यक्तिगत रूप से लेते हैं। कर्नाटक के कलबुर्गी में खरगे ने कहा कि नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद हर चीज को निजी तौर पर ले रहे हैं। खरगे ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमें अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध रखने चाहिए। हमें समय के अनुसार कार्य करना चाहिए। हम अपने पड़ोसियों को नहीं बदल सकते। मालदीव के उप मंत्री, अन्य कैबिनेट सदस्यों और सरकारी अधिकारियों द्वारा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के बारे में अपमानजनक और अरुचिकर संदर्भ देने के बाद एक बड़ा विवाद शुरू हो गया।

पीएम मोदी ने 2 जनवरी को केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप का दौरा किया और कई तस्वीरें साझा कीं, जिसमें स्नॉर्कलिंग में हाथ आजमाने का एक रोमांचक अनुभव भी शामिल था। एक्स पर पोस्ट में पीएम मोदी ने सफेद समुद्र तटों, प्राचीन नीले आसमान और समुद्र की तस्वीरें साझा कीं और उन्हें एक संदेश के साथ टैग किया, जिसमें लिखा था, न लोगों के लिए जो उनमें साहसिकता को अपनाना चाहते हैं, लक्षद्वीप जरूर शामिल होना चाहिए। भारत में मालदीव के दूत को विदेश मंत्रालय में बुलाया गया और तीन निलंबित मंत्रियों द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट पर अपनी कड़ी चिंताओं से अवगत कराया। इससे पहले लक्षद्वीप के लोकसभा सांसद मोहम्मद फैजल ने द्वीपसमूह की पर्यटन संभावनाओं को लेकर सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए पोस्ट पर मालदीव के मंत्रियों की टिप्पणी की निंदा की।

प्रधानमंत्री पर कोई भी टिप्पणी स्वीकार नहीं : पवार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मालदीव के सांसद की आपत्तिजनक टिप्पणी अब मालदीव सरकार पर भारी पड़ रहा है। भारत की ओर से लगातार पलटवार किया जा रहा है। इसी कड़ी में एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने भी इस मामले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है और मालदीव सरकार की आलोचना की है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वह हमारे देश के प्रधानमंत्री हैं और अगर किसी अन्य देश का कोई व्यक्ति, जो किसी भी पद पर है, हमारे प्रधानमंत्री पर ऐसी टिप्पणी करता है तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। हमें पीएम के पद का सम्मान करना चाहिए। हम देश के बाहर से प्रधानमंत्री के खिलाफ कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे।

संविधान व कानून की रक्षा के लिए चलाई गई थी कारसेवकों पर गोली

» स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा- सरकार ने निभाया था अपना कर्तव्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कासगंज में कहा कि कारसेवकों पर तत्कालीन सरकार ने संविधान और कानून की रक्षा के लिए अराजक तत्वों पर देखते ही गोली मारने के आदेश दिए थे। उस समय तत्कालीन सरकार ने अपना कर्तव्य निभाया था।

दरअसल, समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जिस समय कारसेवकों पर गोली चलवाने का आदेश जारी किया गया था, उस समय तत्कालीन सरकार अपने फर्ज को निभा रही थी। वह अपने कर्तव्य का पालन कर रही थी।

अराजक तत्वों ने की थी तोड़फोड़

समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जिस समय अयोध्या में राम मंदिर पर घटना घटी थी, वहां पर बिना किसी न्यायपालिका और प्रशासनिक के आदेश के बड़े पैमाने पर आराजतक तत्वों ने तोड़फोड़ कर दी थी। इस पर तत्कालीन सरकार ने संविधान और कानून की रक्षा के लिए, अमन और चैन कायम करने के लिए गोलियां चलवाई थीं।

राम मंदिर के बहाने भाजपा चुनाव जीतने के लिए बना रही माहौल : गहलोत

» बोले- भगवान राम सभी के

» बीजेपी ने इसे बना दिया अपना प्रायोजित कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। अयोध्या समेत देश भर में राम मंदिर और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर उत्साह का माहौल है। 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस बीच राम मंदिर के कार्यक्रम और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर तमाम पार्टियों के नेताओं के बयान भी सामने आ रहे हैं।

इसी क्रम में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जिस तरह से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को प्रस्तुत किया जा रहा है, ऐसा लग रहा है कि ये बीजेपी का प्रयोजित कार्यक्रम है। इतना ही नहीं अशोक गहलोत ने बीजेपी पर चुनाव जीतने के लिए माहौल बनाने का आरोप लगाते हुए आगे कहा कि हर भारतीय भगवान राम का भक्त है। भगवान राम सभी के हैं। चुनाव जीतने के लिए माहौल बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद विवाद समाप्त हो गया। सभी धर्मों के लोगों ने फैसले का स्वागत किया।

पीएम मोदी पूरे देश के नेता

गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी बीजेपी हो सकती है, लेकिन वो पूरे देश के नेता हैं। उन्होंने आगे कहा कि 22 जनवरी का पूरा कार्यक्रम विवादों में आ गया है, जो नहीं आना चाहिए था। शंकराचार्य नाराज हो गए हैं। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वो अयोध्या नहीं जाएंगे। अशोक गहलोत ने कहा कि हाल में हुए पांच राज्यों के चुनाव में बीजेपी ने राम मंदिर के मुद्दे का प्रचार किया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को लेकर विवाद पैदा किया गया।

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित हुए मोहम्मद शमी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिया सम्मान, कुल 26 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार व दो खिलाड़ियों को मिला खेल रत्न अवॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। समारोह में बैडमिंटन की स्टार जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को खेल रत्न से सम्मानित किया गया तो वहीं क्रिकेटर मोहम्मद शमी समेत 26 एथलीट्स को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

बैडमिंटन खिलाड़ियों चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को 2023 में शानदार प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया था। उन्होंने 2023 में एशियाई खेलों में अपना और बैडमिंटन में देश का पहला स्वर्ण पदक जीता।

इसके अलावा एशियाई चैम्पियनशिप और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 का खिताब भी जीता। यह पुरुष जोड़ी वर्तमान में मलेशिया ओपन सुपर 1000 में खेल रही है और इसलिए समारोह में शामिल नहीं हुई।

वर्ल्ड कप में टीम के हीरो रहे थे शमी

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप 2023 में दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 24 विकेट झटके थे। 33 साल के अनुभवी तेज गेंदबाज शमी अभी टखने चोट से जूझ रहे हैं। इसी कारण वो साउथ अफ्रीका दौरे पर टेस्ट सीरीज नहीं खेल सके थे। मगर अब उनके इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में खेलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अर्जुन अवॉर्ड पाने वाले 58वें क्रिकेटर हैं शमी

अर्जुन अवॉर्ड पाने वाले मोहम्मद शमी 58वें क्रिकेटर हैं। इनमें 12 महिला क्रिकेट खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं दो साल बाद किसी क्रिकेटर को अर्जुन अवॉर्ड मिला है। पिछली बार 2021 में शिखर धवन को यह पुरस्कार मिला था। सलीम दुर्रानी अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले क्रिकेटर हैं। उन्हें 1961 में सम्मानित किया गया था। मोहम्मद शमी भारत के लिए अब तक 64 टेस्ट मैच में 229 विकेट हासिल कर चुके हैं। 101 वनडे मैच में उनके नाम 195 और 23 टी20 में 24 विकेट हैं। शमी आईपीएल में कई टीमों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने 110 मैच खेले हैं। इस दौरान शमी ने 127 विकेट लिए हैं।

भाजपा सरकार के मंत्री की बेतुकी सलाह, बोले-

खूब बच्चे पैदा करो, पीएम मोदी नहीं होने देंगे कोई समस्या

मंत्री जी के खुद हैं दो बीवियां और आठ बच्चे

» राजस्थान सरकार के मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा- पीएम का सपना सबके लिए हो छत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने एक बेतुका बयान दे दिया है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर अजीबोगरीब सलाह भी दे डाली है। दरअसल, राजस्थान सरकार के मंत्री ने लोगों से अधिक बच्चे पैदा करने को कहा है। यहीं नहीं उन्होंने आश्वासन दिया है कि इससे कोई समस्या नहीं होगी, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें रहने के लिए छत देंगे।

राजस्थान के आदिवासी क्षेत्र विकास मंत्री खराड़ी ने कहा कि यह पीएम मोदी का सपना है कि कोई भी भूखा और सिर पर छत के बिना नहीं सोएगा। बता दें कि खराड़ी की दो पत्नियां और 8 बच्चे हैं जिसमें 4 बेटे और 4 बेटियां है। पूरा परिवार दयपुर की कोटड़ा तहसील से करीब तीन किलोमीटर दूर निचला थला गांव में रहता है। खराड़ी ने उदयपुर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए यह अजीब बयान दिया। उन्होंने वहा मौजूद लोगों से कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि कोई भी व्यक्ति भूखा और सिर पर छत के बिना न सोये। आप ढेर सारे बच्चें पैदा करें। प्रधानमंत्री जी आपको घर देंगे, फिर समस्या क्या है? जैसे ही खराड़ी ने यह बयान दिया, दर्शकों में मौजूद लोग हंसने लगे और मौके पर मौजूद जन प्रतिनिधि एक-दूसरे की तरफ देखते नजर आए। खराड़ी ने आगे कहा कि केंद्र ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपये की कटौती की है और राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अब उज्ज्वला योजना के तहत लोगों को 450 रुपये में सिलेंडर उपलब्ध करा रही है।

पीएम मोदी को वोट देने की अपील

खराड़ी ने लोगों से 2024 के लोकसभा चुनावों में फिर से मोदी को वोट देने का आग्रह किया और कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला केंद्र विभिन्न लोक कल्याण उपाय शुरू कर रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जनजातीय क्षेत्र विकास मंत्री के साथ मंच साझा किया। उदयपुर के नाई गांव में विकित भारत संकल्प यात्रा शिविर के लिए मंच तैयार किया गया था।

दम घुटने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

» कमरे में कोयला सुलगा कर सोया था परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमरोहा के सैदनगली थाना इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामना आई है। गांव अल्लीपुर भूड़ उर्फ ढक्का मोड़ निवासी ट्रक चालक रईसुद्दीन के घर में दिनभर पांच लाशें और दो लोग बेसुध पड़े रहे और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। रईसुद्दीन ने घर के नंबर पर फोन किया तो किसी ने रिसीव नहीं किया।

लिहाजा उन्होंने अपने छोटे भाई गबरू को फोन करके पत्नी हुस्न जहां से बात करने के लिए कहा। करीब पांच बजे जैसे ही गबरू घर पहुंचा तो किसी ने दरवाजा नहीं खोला। तभी आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। गबरू समेत कुछ लोग छत से सहारे घर में दाखिल हुए। इस दौरान देखा सभी लोग अचेत अवस्था में पड़े हुए थे। तब घटना की जानकारी हुई। थाना इलाके के गांव अल्लीपुर भूड़ उर्फ ढक्का मोड़ निवासी रईसुद्दीन चार दिन पहले ही ट्रक चलाने काशीपुर गया था। घर में उसकी पत्नी हुस्नजहां, उसकी की बेटी सोनम, बड़ा बेटा जैद, छोटा बेटा माहिर और सिहाली जागीर का रहने वाला साला रियासत, उसकी बेटी महक और धनौरा निवासी साढ़ू की बेटी कशिश एक ही कमरे में सोए हुए थे।

सर्दी से बचने के लिए तसले में जलाया था कोयला

सर्दी से बचने के लिए उन्होंने कमरे में तसले में कोयला जला लिया था। सभी की सोते में ही दम घुटने से मौत हो गई। जबकि रईसुद्दीन की पत्नी हुस्नजहां और साला रियासत की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही डीएम राजेश कुमार त्यागी और एसपी कुंवर अनुपम सिंह मौके पर पहुंच गए। आला अधिकारियों के साथ घटनास्थल का मुआयना किया। जिस कमरे में तसले में कोयला जलाया गया था, उस स्थान का बारीकी से निरीक्षण किया। एसपी कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई और साक्ष्य जुटाए। सीओ हसनपुर ने बताया कि अंदाजा लगाया जा रहा है कि सोते-सोते परिवार के लोगों का दम घुटा है। अगर वह जागते हुए होते तो जरूर घर से बाहर भागने की कोशिश करते हैं।

उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई 24 जनवरी तक टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोप में जेल में बंद पूर्व जेएनयू छात्र उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने 24 जनवरी तक के लिए टाल दी है। इसे यूएपीए के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं के साथ सूचीबद्ध किया गया था।

सुनवाई के दौरान कपिल सिबब्ल ने कहा कि उमर खालिद जेल में हैं। इससे क्या फर्क पड़ता है। हमने कभी समय नहीं मांगा। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि वह भी उपलब्ध नहीं हैं। मैं संविधान पीठ में हूं। मुझे एक सप्ताह का समय दिया जाए। पीठ ने नाराजगी व्यक्त की और कहा कि वह इस मामले को टालने की इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा कि आपने पहले कहा था कि मामले की सुनवाई नहीं हो रही है। यह अनावश्यक है, हम आपको छूट नहीं दे सकते। हालांकि, कोर्ट ने सुनवाई आगे के लिए टाल दी है।

अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर कांपी धरती, तीव्रता 4.1

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, सुबह 7 बजकर 53 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.1 मापी गई।

अंडमान में आए भूकंप की वजह से अब तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। एनसीएस ने एक पेस्ट में लिखा, 10 जनवरी को सुबह 7 बजकर 53 मिनट पर अंडमान द्वीप पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र 10 किमी गहराई में रहा। बता दें कि अंडमान द्वीप समूह में 572 द्वीप हैं, जिनमें 38 द्वीपों पर लोग बसे हुए हैं। इससे पहले नवंबर महीने में भी अंडमान निकोबार में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

लोस के बाद हो सकते हैं जम्मू-कश्मीर के विस चुनाव

नगर निकाय और पंचायत चुनाव भी साथ में ही हो सकते हैं, 2014 के बाद से नहीं हुए हैं विधानसभा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किए जाने के बाद अब पंचायत चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई है। ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि इस साल अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनावों के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा, नगर निकाय और पंचायत चुनाव कराए जा सकते हैं। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की वैधता पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा का चुनाव कराने के लिए सितंबर 2024 तक की समय-सीमा निर्धारित की है। इसी के मुताबिक चुनाव की तैयारियां की जा रही हैं।

जम्मू-कश्मीर में हिंसा और तनावपूर्ण माहौल की वजह से विधानसभा के चुनाव 2014 के बाद से नहीं हुए हैं। इसके अलावा राज्य के 4,892 निर्वाचित ग्राम पंचायतों का पांच साल का कार्यकाल मंगलवार 9 जनवरी को समाप्त हो गया। लगभग दो महीने पहले, दो नगर निगमों, 19 नगर परिषदों और 57 नगर पालिकाओं सहित शहरी स्थानीय निकायों का कार्यकाल भी 14 नवंबर, 2023 को समाप्त हो गया था। इनका गठन 13 वर्षों के बाद पार्टी प्रतीकों पर हुए चुनावों के माध्यम से किया गया था।

हालांकि, नई संरचना के तहत जिला विकास परिषदें, जो सीधे लोगों द्वारा चुनी जाती हैं, अभी कायम रहेंगी, क्योंकि इनके चुनाव 2020 में ही हुए थे।

केंद्र सरकार ने पारित किया है जम्मू-कश्मीर आरक्षण विधेयक

चुनाव के दौरान ओबीसी आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार ने हाल ही में बड़ा कदम उठाया है। संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन विधेयक), 2023 पारित करवाया था। इसके तहत अब जम्मू-कश्मीर के पंचायत और निकाय चुनावों में ओबीसी को आरक्षण दिया जा सकता है। यह एक संवैधानिक मुद्दा था, जो राज्य स्तर पर नहीं सुलझाया जा सकता था क्योंकि ऐसे अधिकार के प्रावधान राज्य चुनाव आयोग के पास नहीं थे।

पहली बार मिलेगा ओबीसी आरक्षण

सरकार के सूत्रों के अनुसार, लोकसभा चुनाव से पहले शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों के चुनाव कराना संभव नहीं है। इसकी वजह बेहद खास है। इस बार पहली बार चुनाव में ओबीसी आरक्षण का लाभ उम्मीदवारों को मिलेगा। जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक परिषद ने अभी हाल ही में 28 दिसंबर, 2023 को जम्मू-कश्मीर पंचायती राज अधिनियम में संशोधन किया है, जो शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण की अनुमति देता है। इस वजह से राज्य में पहली बार स्थानीय चुनावों में ओबीसी आरक्षण मिलने जा रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।